



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 554]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 8, 2015/भाद्र 17, 1937

No. 554]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 8, 2015/BHADRA 17, 1937

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 2015

सं. 47/2015-सीमा शुल्क (एडीडी)

**सा.का.नि. 687(अ).**—जबकि नामित प्राधिकारी ने दिनांक 3 जनवरी, 2014 के भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-(1) में प्रकाशित अपनी अधिसूचना सं.15/24/2013-डीजीएडी दिनांक 3 जनवरी, 2014, के अंतर्गत चीन जनवादी गणराज्य (यहां जिसे विषयगत देश के रूप में संदर्भित किया गया है) से मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए “फ्लोट ग्लास 2 एम एम से 12 एम एम (दोनों मोटाइयों को शामिल करते हुए) की मोटाई के क्लीयर तथा टिन्टेड वैरायटी के फ्लोट ग्लास, परन्तु इनमें औद्योगिक अथवा आटोमोटिव उद्देश्यों के लिए रिफ्लेक्टिव ग्लास, प्रोसेस्ड ग्लास शामिल नहीं है” (यहां जिन्हें विषयगत वस्तुओं के रूप में संदर्भित किया गया है) जो सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 (1975 का 51) (जिसे यहां उपर्युक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित किया गया है) की प्रथम अनुसूची में शीर्ष 7005 के अंतर्गत आते हैं, के आयात पर लगने वाले प्रतिपाटन शुल्क जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उपखंड (i) में दिनांक 6 जनवरी, 2009 को सा.का.नि. सं. 14(अ) के अंतर्गत प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की दिनांक 6 जनवरी, 2009 की अधिसूचना सं. 4/2009-सीमा शुल्क के अंतर्गत लागू किया गया था, को बनाए रखने के मामले की समीक्षा शुरू की है और उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उप-धारा (5) की शर्तों के अनुसार एक और वर्ष के लिए प्रतिपाटन शुल्क बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है;

और जबकि केन्द्र सरकार ने भारत के राजपत्र के असाधारण, भाग-II, खंड-3, उपखंड (i) में दिनांक 23 जनवरी, 2014 को सा.का.नि. सं. 49(अ) के अंतर्गत प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 23 जनवरी, 2014 की अधिसूचना सं. 7/2014- सीमा शुल्क (एडीडी) के द्वारा, 5 जनवरी, 2015 तक विषयगत देश में मूल रूप से उत्पादित अथवा निर्यात की गई विषयगत वस्तुओं पर लगने वाले प्रतिपाटन शुल्क को बनाए रखा था।

और जबकि विषयगत देश में मूल रूप से उत्पादित अथवा निर्यात की जाने वाली विषयगत वस्तुओं के आयात पर लगने वाले प्रतिपाटन शुल्क की समीक्षा के मामले में पद नामित पदाधिकारी, दिनांक 2 जुलाई, 2015 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1 में दिनांक 2 जुलाई, 2015 को प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्ष सं. 15/24/2013-डीजीएडी के अंतर्गत निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि-

- (i) भारतीय बाजार में चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु का उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर प्रवेश होना जारी रहा और पाटन मार्जिन पर्याप्त तथा न्यूनतम से अधिक है। तथापि, इंडोनेशिया से हुए आयात महत्वहीन हैं, यद्यपि पाटन मार्जिन सकारात्मक है और वह न्यूनतम से अधिक है;

- (ii) घरेलू उद्योग को क्षति, जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों सहित कई अन्य देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी है;
- (iii) यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो चीन जनवादी गणराज्य से पाटित कीमतों पर इसका निर्यात बने रहने की संभावना है और चीन जनवादी गणराज्य से पाटन की निरंतरता बने रहने की संभावना है। तथापि, क्षति जांच अवधि के दौरान कोई महत्वपूर्ण आयात नहीं होने के मद्देनजर और इंडोनेशिया से पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना के समर्थन में किसी विश्वसनीय समर्थनकारी साक्ष्य के अभाव में प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इंडोनेशिया से किसी पाटन की पुनरावृत्ति होने की कोई आसन्न संभावना नहीं है और,
- (iv) चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति, उस देश से पाटित आयातों की निरंतरता के कारण, होने की संभावना है।

और यह सिफारिश की है कि विषयगत देश में मूल रूप से उत्पादित अथवा निर्यात की जाने वाली विषयगत वस्तुओं के लिए प्रतिपाटन शुल्क का लगाया जाना जारी रखा जाए;

इसलिए अब सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर प्रतिपाटन शुल्क की पहचान, उसका मूल्यांकन तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 18 और 23 के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की धारा 9क की उप-धारा (1) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार प्राधिकृत प्राधिकारी के उपर्युक्त निष्कर्षों के आधार पर एतद्वारा विषयगत माल, जिसका विवरण नीचे सारणी के कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट है और उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के शीर्ष के अंतर्गत आते हैं, जो कॉलम (2) में सामने की प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं, कॉलम (4) में सामने दी गई प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट देश में उद्धृत हैं और कॉलम (5) में सामने दी गई प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट देश से निर्यातित हैं और कॉलम (6) में सामने दी गई प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उत्पादक द्वारा उत्पादित हैं तथा कॉलम (7) में सामने दी गई प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट निर्यातक द्वारा निर्यातित हैं, और भारत में आयातित हैं, पर उक्त सारणी के कॉलम (9) में सामने दी गई प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट माप की प्रति यूनिट, कॉलम (10) में विनिर्दिष्ट मुद्रा में एवं कॉलम (8) में सामने दी गई प्रविष्टि राशि के समतुल्य प्रतिपाटन शुल्क दर लगाती है।

#### सारणी

क्र.स.	टैरिफ शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मापन की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	7005	फ्लोट ग्लास	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	218	मीट्रिक टन	अमरीकी डालर
2.	7005	फ्लोट ग्लास	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	कोई	218	मीट्रिक टन	अमरीकी डालर
3.	7005	फ्लोट ग्लास	जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है उनके अलावा अन्य कोई देश	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	218	मीट्रिक टन	अमरीकी डालर

नोट-1: “2 एम एम से 12 एम एम (दोनों मोटाइयों को शामिल करते हुए) की मोटाई के क्लीयर तथा टिन्टेड वैरायटी के फ्लोट ग्लास, परन्तु इनमें औद्योगिक अथवा आटोमोटिव उद्देश्यों के लिए रिफ्लेक्टिव ग्लास, प्रोसेस्ड ग्लास शामिल नहीं है।”

नोट-2 : उन देशों के मूल की वस्तु के मामले में जिन पर पाटनरोधी शुल्क प्रभावी है, उन मामलों में उन अधिसूचनाओं के अंतर्गत अनुप्रयोज्य शुल्क लागू होगा।

2. लगाया गया प्रतिपाटन शुल्क इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 वर्ष की अवधि तक (जब तक कि इसके पहले इसको वापस नहीं ले लिया जाता है, इसमें संशोधन नहीं कर दिया जाता है और इसका अधिक्रमण नहीं किया जाता है) उद्गृहीत किया जाएगा और इसका भुगतान भारतीय मुद्रा में किया जाना होगा।

**स्पष्टीकरण:**— इस अधिसूचना के आशय से, ऐसे प्रतिपाटन शुल्क की गणना के प्रयोजन में लागू “विनिमय दर” वहीं होगी जो सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) द्वारा समय-समय पर जारी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट है तथा विनिमय की दर के निर्धारण की तारीख वह होगी जो उपर्युक्त सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 46 के अंतर्गत आगम पत्र के प्रस्तुत करने की तारीख होगी।

[फा. सं. 354/211/2002-टीआरयू (भाग-II)]

अनुराग सहगल, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th September, 2015

**No. 47/2015-Customs (ADD)**

**G.S.R. 687(E).**—Whereas, the designated authority, vide notification No. 15/24/2013-DGAD, dated the 3rd January, 2014, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1 dated the 3rd January, 2014, had initiated a review in the matter of continuation of anti-dumping duty on imports of Float Glass of thickness 2 mm to 12 mm (both inclusive) of clear as well as tinted variety (other than green glass) but not including reflective glass, processed glass meant for decorative, industrial or automotive purposes (hereinafter referred to as the subject goods), falling under heading 7005 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, the Peoples' Republic of China (in short 'China PR') and Indonesia (hereinafter referred to as the subject countries), imposed vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 04/2009-Customs, dated the 6th January, 2009, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 14(E), dated the 6th January, 2009, and had requested for extension of anti-dumping duty for an additional period of one year from the date of its expiry, in terms of sub-section (5) of section 9A of the said Customs Tariff Act, pending the completion of the review;

And whereas the Central Government had extended the anti-dumping duty imposed on the subject goods originating in, or exported from the subject countries vide notification No. 07/2014-Customs (ADD), dated the 23rd January, 2014, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 49(E), dated the 23rd January, 2014 up to and inclusive of 5th January, 2015;

And whereas the designated authority vide notification No. 15/24/2013-DGAD, dated the 2nd July, 2015, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 2nd July 2015 has concluded that –

- (a) the subject goods have continued to enter the Indian market from China PR at prices less than their normal values and the dumping margin is substantial and above *de minimis*. However, there has been insignificant imports from Indonesia though the dumping margin is positive and above *de minimis*;
- (b) the domestic industry has suffered material injury due to the presence of dumped imports from several countries, including the subject countries, during the injury investigation period;
- (c) the goods are likely to be exported from China PR at dumped prices in the event of cessation of anti-dumping duty and dumping is likely to continue from China PR. However, in view of insignificant imports during the injury investigation period and in the absence of credible evidence supporting likelihood of recurrence of dumping from Indonesia the DA concludes that there is no imminent likelihood of recurrence of dumping from Indonesia; and
- (d) injury to the domestic industry is likely to continue in the event of cessation of anti-dumping duty on imports of subject goods from China PR because of continuation of dumped imports from that country,

and has recommended continuation of anti-dumping duty on imports of subject goods originating in, or exported from, China PR;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) read with rules 18 and 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government after considering the aforesaid findings of the designated authority, hereby imposes on the goods the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under heading of the First Schedule to the said Customs Tariff Act as specified in the corresponding entry in column (2), originating in the country specified in the corresponding entry in column (4), exported from the country specified in the corresponding entry in column (5), produced by the producer specified in the corresponding entry in column (6) and exported by the exporter specified in the corresponding entry in column (7), and imported into India, an anti-dumping duty at the rate equal to the amount indicated in the corresponding entry in column (8), in the currency as specified in the corresponding entry in column (10) and as per unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (9) of the said Table.

TABLE

S. No.	Heading	Description of Goods	Countries of origin	Countries of Export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	7005	Float Glass	China PR	China PR	Any	Any	218	MT	United States Dollar
2	7005	Float Glass	China PR	Any	Any	Any	218	MT	United States Dollar
3	7005	Float Glass	Any, other than countries attracting anti-dumping duty	China PR	Any	Any	218	MT	United States Dollar

**Note 1:** “Float Glass” means Float Glass of thickness 2 mm to 12 mm (both thickness inclusive) of clear as well as tinted variety (other than green glass) but not including reflective glass, processed glass meant for decorative, industrial or automotive purposes.

**Note 2:** In case of goods originating from countries against which antidumping duties are in force, antidumping duty applicable under those notifications shall apply.

2. The anti-dumping duty imposed under this notification shall be effective for a period of five years (unless revoked, amended or superseded earlier) from the date of publication of this notification in the Gazette of India and shall be paid in Indian currency.

**Explanation.**—For the purposes of this notification, rate of exchange applicable for the purposes of calculation of such anti-dumping duty shall be the rate which is specified in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), issued from time to time, under section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the relevant date for determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the bill of entry under section 46 of the said Customs Act.

[F. No. 354/ 211/2002-TRU (Pt.-II)]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.